Head, Climate Monitoring Analysis Group

Sub: - Disastrous Weather Events (DWE), Report for the month of July-2024

S. No.	Name of Event	Date	Area	Intensity	Casualities	Source of Information
1	Heavy Rain led to massive flood	28-07-2024	Rispa Nala, Kinnaur	-	Several houses swept away, Multiple roads destroyed	Media
2	Cloudburst triggering flash floods	24-07-2024	Sarehi Nala, Palchan, Near Solan Nala, Kullu to Manali-Leh highway	-	Damage to several houses, cattle, power project Closure of 15 roads	Media
3	Cloudbursts, floods and heavy rains	31-07-2024	1. Jhakadi, Rampur 2.Samej, Kullu 3.Singhgad, Kullu 4.Padhar, Mandi	-	Bursting of Malana Dam, Death of several people and many missing, Many buidlings washed away, Manali-Leh NH washed away	Media

मनाली के सरेही नाला में बादल फटा, 3 घर क्षतिग्रस्त, 20 भेड़ें बहीं

अटल टनल से पलचान तक आया मलबा, 19 घंटे बंद रहा मनाली-लेह मार्ग

संवाद न्यूज एजेंसी

मनाली (कुल्लू)। सोलंगनाला से सटे सरेही नाले में बुधवार मध्यरात्रि बादल फटने से आई बाढ़ में पलचान में तीन घर पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए और 20 भेड़ें बह गईं। पानी के साथ आए मलबे से ब्यास नदी तट पर बने बिजली प्रोजेक्ट को भी भारी क्षति पहुंची है। घटना में अभी तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। बाढ़ से पहले नाले में हुए जोरदार धमाके की आवाज सुन तीन घरों में रह रहे 13 लोग सुरक्षित स्थान की ओर निकले गए थे।

ग्रामीणों के मुताबिक रात को 11 बजे के आसपास तेज बारिश हुई। कुछ समय बाद सरेही नाले में जोरदार धमाका हुआ और भारी मात्रा में पानी-मलबा आया। अटल टनल के समीप स्नो गैलरी में मलबा भर गया। पानी के साथ बड़े पत्थर और मलबा पलचान पुल पर पहुंचा। इससे मनाली-लेह सड़क पर आवाजाही ठप हो गई और दोनों ओर वाहन फंस गए। वहीं, पलचान पुल के समीप बने प्रोजेक्ट में मलबा घुस गया और मशीनरी तहस नहस हो गई। प्रोजेक्ट से होकर पानी गांव की ओर मुड़ गया। पानी का बहाव इतना तेज था कि देखते ही देखते धनी राम, प्रेम चंद और जगदीश के मकान बाढ़ के पानी की भेंट चढ़ गए। साथ लगते खिला देवी के मकान और महिला मंडल भवन भी तहस-नहस हो गए। प्रेम सिंह की 20 भेड़ें बाढ़ में बह गईं। बीआरओ के कमांडर गौरव ने बताया कि सड़क बंद होने की सूचना के बाद तुरंत काम शुरू कर दिया गया। देर शाम करीब सात बजे करीब 19 घंटे बाद सड़क को एक तरफ बहाल कर लिया गया। उधर, पांवटा साहिब-शिलाई नेशनल हाईवे-707 बीरबार को हेवना के समीप भूस्खलन से करीब पांच घंटे बंद रहा। हाईवे के बंद होने से दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतारें लगी रहीं।

पलचान पुल के पास जमा सरेही नाला में पानी के साथ आए पत्थर। दूसरी ओर टूटी कमरे की दीवारें। संवाद

नाले में बाढ़ आने से पहले हुए धमाके की आवाज सुन सुरक्षित स्थान पर निकले गए थे लोग

प्रशासन की टीम एसडीएम रमन कुमार शर्मा की अगुवाई में रातभर मौके पर डटी रही। सुबह उपायुक्त तोरुल एस रवीश भी घटनास्थल पर पहुंचीं और बाढ़ के कारण हुए नुकसान का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि बादल फटने से आई बाढ़ में करोड़ों की संपत्ति को नुकसान पहुंचा है। प्रशासन प्रभावितों की हर संभव सहायता करेगा।

प्रभावितों की हरसंभव सहायता करेगा प्रशासन : डीसी

शिमला में बूंदाबांदी, अन्य क्षेत्रों में छाए बादल, 28 से रफ्तार पकड़ेगा मानसून

शिमला। हिमाचल के अधिकांश जिलों में बीरबार को हल्के बादल छाए रहे जबकि राजधानी शिमला में बूंदाबांदी हुई। इस बीच मौसम विभाग ने शुक्रवार और शनिवार के लिए बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। 28 जुलाई से मानसून के रफ्तार पकड़ने की संभावना है। 28 से 31 जुलाई तक कई क्षेत्रों में भारी बारिश का पूर्वानुमान जताया गया है।

हिमाचल में आज और कल भी बारिश का येलो अलर्ट

बुधवार रात से बीरबार सुबह तक पालमपुर में 68, धौलाकुआं में 44, नयनादेवी में 42, धर्मशाला में 35, डलहौजी-बैजनाथ में 25, शिमला में 24, चंबा में 22, नाहन-कसौली में 18, बिलासपुर में 15, ऊना में 10 और हमीरपुर में 8 मिलीमीटर बारिश दर्ज हुई। उधर, बुधवार रात को शिमला में न्यूनतम तापमान 17.5, सुंदरनगर में 25.5, भुंतर में 22.6, कल्पा में 16.3, धर्मशाला में 20.9, ऊना में 21.8, नाहन में 24.4, केलांग में 15.0, सोलन में 22.4, मनाली में 19.6, कांगड़ा में 23.8, मंडी में 24.4, बिलासपुर में 24.7, हमीरपुर में 24.8 और चंबा में 22.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। बूरी

किन्नौर जिले के ज्ञाबुंग-रोपा नाले में फटा बादल करोड़ों का नुकसान, कुल्लू में 5 घर कराए खाली

दो कमरों का मकान बहा, एक में भरा मलबा और पानी, चार सिंचाई नहरों को 57 लाख की क्षति | सैकड़ों सेब पौधों सहित अन्य नकदी फसलों को नुकसान, निगुलसरी में 4 घंटे बंद रहा एनएच

पूह/भावानगर(किन्नौर)/आनी। हिमाचल प्रदेश में किन्नौर के ज्ञाबुंग-रोपा पंचायत में नाले में रविवार सुबह बादल फटने से करोड़ों की संपत्ति का नुकसान हुआ है। रोपा पंचायत में ग्रामीण धर्म सिंह मेहता के दो कमरों का मकान (दोगरी) बह गया, जबकि हरि सिंह का मकान पानी और मलबा से भर गया। जल शक्ति विभाग की चार सिंचाई नहरों को 57 लाख का नुकसान हुआ है। शिमला में भी रविवार दोपहर बाद बारिश हुई। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला ने प्रदेश में 3 अगस्त तक पूरे प्रदेश में बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है।

ज्ञाबुंग और रोपा नाले में बादल फटने से मलबा लोगों के बगीचों में पहुंच गया, जिससे सैकड़ों सेब के पौधों और नकदी फसलों को नुकसान हुआ है। रोपा पंचायत की सिंचाई कूहल रिगेन को बाढ़ से नुकसान हुआ है। यहां जल शक्ति विभाग की करीब 60 मीटर कूहल में मलबा भर गया, जिससे विभाग को करीब दस लाख रुपये का नुकसान हुआ है। ग्रामीण परमानंद, नमज्ञाल नेगी, राजेंद्र कुमार, कुंगा तांनजेन के सैकड़ों सेब के पौधे, राजमाह, ओगला और फाफरा सहित अन्य नकदी फसलें भी तबाह हो गई हैं। ज्ञाबुंग नाले में पानी का स्तर बढ़ने से होलियाती कूहल को क्षति पहुंची है। पानी के तेज बहाव के कारण इस कूहल का स्रोत टूट गया है, जिससे विभाग को करीब 25 लाख की क्षति पहुंची है। वहीं जांगती कूहल का भी स्रोत टूटने से विभाग को यहां 20 लाख की क्षति पहुंची है।

इसके अलावा ग्रामीणों द्वारा स्वयं बनाई गई फार्म कूहल को भी दो लाख रुपये का नुकसान हुआ है। जल शक्ति विभाग पूह के कनिष्ठ अभियंता राजदीप सिंह नेगी ने बताया कि जल्द ही सिंचाई कूहलों को बहाल किया जाएगा। उधर, पूह के कार्यवाहक एसडीएम विक्रम सिंह ने बताया कि नुकसान का जायजा लेने के लिए राजस्व विभाग की टीम भेजी गई है। बारिश के कारण किन्नौर के ही निगुलसरी ब्लॉक प्वाइंट पर पहाड़ी से पत्थर गिरने से सुबह चार घंटे नेशनल हाईवे-5 बंद रहा। जिला कुल्लू के आनी उपमंडल में बीती रात हुई भारी बारिश से आनी-कुल्लू नेशनल हाईवे-305 सहित कई अन्य ग्रामीण सड़कें अवरुद्ध हो गईं। इससे लोगों को आवाजाही में परेशानी झेलनी पड़ रही है।

नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया और लोक निर्माण विभाग बाधित सड़कों को युद्धस्तर पर बहाल करने में जुटा है। कुल्लू और लाहौल में शनिवार रात को बारिश से मनाली के पलचान में बाढ़ जैसे हालात बन गए। ब्यास और सरेही नाला में जलस्तर बढ़ने से पांच घरों के लोगों को दूसरी जगह शिफ्ट करना पड़ा। मनाली-लेह मार्ग में अटल टनल होकर वाहनों की आवाजाही फिलहाल बंद है। लाहौल की मयाड़ घाटी के करपट नाला में भी बाढ़ आ गई।

वहीं, बंजार-थियाली सजवाड़ सड़क में आने वाले शांगचार नाले में जलस्तर बढ़ने से वाहनों की आवाजाही प्रभावित रही। उधर, शिमला के मैहली में मलबा गिरने से एक कार क्षतिग्रस्त हो गई। जोगिंद्रनगर में भी शनिवार देर रात बारिश हुई। पेड़ गिरने से मंडी-पठानकोट नेशनल हाईवे पर आवाजाही बार-बार बाधित होती रही। जोगिंद्रनगर में 95, धौलाकुआं में 69.5 मिलीमीटर बारिश हुई है। संवाद

रोपा नाले में बादल फटने से ज्ञाबुंग क्षेत्र में फैला मलबा। संवाद

बारिश से यहां- यहां हुईं दिक्कतें

- आनी-कुल्लू एनएच बाधित, वैकल्पिक सड़क पर चल रही आवाजाही
- ब्यास और सरेही नाला में जलस्तर बढ़ने से पांच घरों के लोग दूसरी जगह भेजे मनाली-लेह एनएच भी बंद
- शांगचार नाले का जलस्तर बढ़ने से बंजार-थियाली-सजवाड़ मार्ग ठप, शिमला के मैहली में मलबा गिरने से कार क्षतिग्रस्त
- जोगिंद्रनगर में देर रात हुई बारिश, पेड़ गिरने से बार-बार बाधित होता रहा मंडी पठानकोट नेशनल हाईवे

छह दिन भारी बारिश के आसार, 1 अगस्त का ऑरेंज अलर्ट

प्रदेश में सोमवार से आगामी छह दिनों तक भारी बारिश का पूर्वानुमान है। पांच दिन का येलो और 1 अगस्त के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी हुआ है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला से दुर्गम और संवेदनशील क्षेत्रों के लिए एडवाइजरी जारी की है।

1,156 पेयजल स्कीमें और 41 सड़कें बाधित

प्रदेश में शनिवार रात को भारी बारिश के चलते 1,156 पेयजल स्कीमें प्रभावित हो गई हैं। इसके अलावा 41 सड़कों पर यातायात ठप रहा।